भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1962
12/12/2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

ला नीना का प्रभाव

1962. श्री सी. वी. षनमुगम:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को पता है कि ला नीना का प्रभाव भारतीय कृषि गतिविधियों को प्रभावित कर रहा है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने इस प्रभाव पर कोई अध्ययन कराया है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) ला नीना के प्रभाव को समाप्त करने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां।

(ख) ला नीना एक जलवायु घटना है, जिसमें मध्य एवं पूर्वी प्रशांत महागसार में समुद्र की सतह का तापमान (SSD) अधिक ठंडा होता है, जो भारतीय मॉनसून को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती है। सामान्य तौर पर, ला नीना घटना के दौरान, दक्षिण-पश्चिमी मॉनसून ऋतु के दौरान भारत में सामान्य से अधिक वर्षा होती है। ला नीना वर्षों के दौरान, सुदूर उत्तरी भारत एवं पूर्वोत्तर के कुछ क्षेत्रों जिनमें ला नीना वर्षों के दौरान सामान्य से कम वर्षा की संभावना रहती है, को छोड़कर अधिकांश देश में सामान्य से अधिक वर्षा होती है। साथ ही, ला नीना वर्षों के दौरान शीत ऋतु के दौरान आमतौर पर सामान्य से कम तापमान पाया जाता है। जहां ला नीना के दौरान अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़, फसल क्षति, तथा पशुधन की हानि की स्थिति आ सकती है, वहीं इससे वर्षा पर आधारित कृषि एवं भूजल स्तर को लाभ भी मिल सकता है। ला नीना के कारण होने वाली अधिक वर्षा के कारण कभी-कभी भारतीय क्षेत्र में तापमान में गिरावट आ सकती है, जिससे कुछ खरीफ फसलों की वृद्धि एवं विकास प्रभावित हो सकता है।

(ग)-(ङ) जी हां। मंत्रालय ला नीना अवधि के दौरान संबंधित वर्षा पैटर्न समेत देश में मॉनसून तथा वर्षा एवं तापमान पैटर्न के बारे में नियमित अध्ययन कर रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से प्रशांत एवं हिंद महासागर में समुद्री सतह तापमान (SST) की निरंतर निगरानी करती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) जलवायु मॉडल का प्रयोग करते हुए पूर्वानुमान तैयार करता है और अल-नीनों-दक्षिणी दोलन (ENSO/IOD) बुलेटिन हर माह जारी करता है (https://www.imdpune.gov.in/cmpg/Product/Enso.php)। इसके अतिरिक्त, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ला नीना से संबंधित प्रचंड मौसम की घटनाओं, जैसे कि भारी वर्षा या सूखा, से बचाव की तैयारी करने के लिए किसानों की सहायता करने हेतु कृषि-विशिष्ट परामर्शिकाएं जारी करता है। इन परामर्शिकाओं में फसल चयन, सिंचाई तौर-तरीकों, तथा बाढ़ तैयारी संबंधी अनुशंसाएं शामिल हो सकती हैं।

****